भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2665
दिनांक 04 अगस्त, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

टाइप-2 मधुमेह रोगी

2665. श्री घनश्याम सिंह लोधी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या टाइप-2 मधुमेह का संबंध असंतुलित आहार से है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) ऐसे रोगों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं;

(ग) क्या पिछले तीन वर्षों के दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में ऐसा मेला कब तक आयोजित किए जाने की संभावना है;

(ड) क्या बोतलबंद शीतल पेय के अत्यधिक उपयोग से मानव स्वास्थ्य को नुकसान होता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(व) क्या देश में इस संबंध में कोई शोध किया गया है; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) से (छ) राष्ट्रीय एनसीडी निगरानी सर्वेक्षण (2017-18) के अनुसार, गैर-संचारी रोगों से कई जोखिम कारक जुड़े हैं, जैसे तंबाकू का उपयोग, शराब का उपयोग, अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि और अस्वास्थ्यकर आहार। 18-69 वर्ष के आयु वर्ग में फलों और/या सब्जियों का अपर्याप्त सेवन मधुमेह सहित गैर-संचारी रोगों की व्यापकता से जुड़ा है।

एनएचएम के तहत और व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के भाग के रूप में देश में, सामान्य गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) अर्थात मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सामान्य कैंसर की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या आधारित पहल शुरू की गई है। इस पहल के तहत, 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की सामान्य NCD संबधी स्क्रीनिंग के लिए लक्षित किया जाता है। इन सामान्य NCD की स्क्रीनिंग, आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों के तहत सेवा वितरण का एक अभिन्न अंग है जो मधुमेह सहित NCD के जोखिम कारकों पर जागरूकता पैदा करता है।

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आरोग्य केन्द्र स्कीम के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के अंतर्गत सामुदायिक स्तर पर आरोग्य कार्यकलापों और लक्षित संचार को बढ़ावा देकर मधुमेह के निवारक पहलू को सुदृढ़ किया जाता है। इसके अतिरिक्त, एनपी-एनसीडी के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार मधुमेह के लिए जागरूकता सृजन (आईईसी) कार्यकलापों के लिए एनएचएम के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। मधुमेह के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अन्य पहलों में विश्व मधुमेह दिवस मनाना और निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग शामिल है।

इसके अलावा, एफएसएसएआई के माध्यम से स्वास्थ्यकर भोजन को बढ़ावा दिया जाता है। 'ईट राइट इनिशिएटिव, घर पर सुरक्षित और पौष्टिक भोजन और आज से थोड़ा कम' संबधी जागरूकता कार्यकलाप भी शुरू किए गए हैं। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा 'फिट इंडिया और खेलो इंडिया' जैसे अभियान किए जाते हैं तथा आयुष मंत्रालय द्वारा योग संबधी विभिन्न कार्यकलाप किए जाते हैं।

प्रत्येक आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आरोग्य केंद्र (एबी-एचडब्ल्यूसी) में महीने की 14 तारीख को स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया जाता है। इन मेलों का उद्देश्य लोगों के कल्याणार्थ उनके बीच स्वस्थ जीवन शैली के बारे में जागरूकता पैदा करना है और मधुमेह सहित सामान्य रोगों के लिए समुदाय-आधारित जोखिम मूल्यांकन और जनसंख्या-आधारित स्क्रीनिंग करना है। 31 जुलाई, 2023 तक एबी-एचडब्ल्यूसी में संचयी रूप से 244.02 मिलियन प्रतिभागियों की भागीदारी के साथ 22.12 मिलियन से अधिक कल्याण सत्र आयोजित किए गए हैं। स्वास्थ्य मेलों की विस्तृत स्थिति अनुलग्नक में है।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 2 फरवरी 2020 से उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले के तहत, प्रत्येक रविवार को सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य मेला आयोजित किया जाता है।

'मानव स्वास्थ्य पर शीतल पेय के सेवन के हानिकारक प्रभावों' पर आईसीएमआर द्वारा उद्धत अध्ययन के अनुसार, शीतल पेय में बहुत अधिक चीनी होती है और चीनी की अत्यधिक खपत से कैलारी बढ़ने से मोटापे का जोखिम हो सकता है। विशेष रूप से बच्चों और वृद्ध व्यक्तियों में शीतल पेय के अत्यधिक सेवन के कारण अक्सर मधुमेह, हृदय रोग, हड्डियों और दांतो के विकार होते हैं। चीनी के प्रयोग वाले मीठे पेय पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभाव का परिणाम वास्तव में एडवर्स शूगर मेटाबोलिजम है जो शरीर में ट्रिगर होता है।

******

अनुलग्नक

राज्य संघ राज्य क्षेत्रवार स्वास्थ्य मेला की स्थिति

क्र सं	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	आयोजित कुल हेल्थ मेले	आंगतुकों की कुल संख्या	उच्च रक्तचाप की जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या	मधुमेह की जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या	मुख कैंसर की जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या	स्तन कैंसर की जांच जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या	गर्भाश्य कैंसर की जांच जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	26	1,623	633	633	633	448	*199*
2	आंध्र प्रदेश	11,166	4,43,674	3,07,597	2,99,007	2,10,03	1,37,509	1,14,416
3	अरुणाचल प्रदेश	254	6,745	5,631	5,058	4,597	2,626	980
4	असम	195	8,691	5,302	5,207	5,079	2,909	495
5	बिहार	13,181	3,79,317	1,86,479	1,62,961	1,26,727	66,471	35,321
6	चंडीगढ़	264	24,288	8,589	7,525	8,808	5,478	2,389
7	छत्तीसगढ	15,132	4,19,215	3,43,879	3,35,076	3,05,668	1,70,750	81,038
8	दादर एवं नागर हवेली	228	7,269	5,561	5,472	5,696	3,704	3,392

9	दमन एवं दीव	63	2,195	1,917	1,954	1,898	1,126	707
10	दिल्ली	1	8	7	7	7	7	7
11	गोवा	157	11,191	7,731	7,606	6,514	*2,972*	1,467
12	गुजरात	22,139	9,60,688	7,28,981	7,19,990	6,59,927	3,90,011	3,30,64
13	हरियाणा	152	6,975	4,540	4,531	3,788	2,418	1,143
14	हिमाचल प्रदेश	1,993	59,805	58,763	57,656	35,946	23,660	11,514
15	जम्मू एवं कश्मीर	2,965	1,07,731	64,545	61,415	60,649	35,616	18,242
16	झारखंड	2,0ll	53,325	42,196	41,798	40,265	23,659	12,603
17	कर्नाटक	583	21,605	22,579	22,033	18,273	9,404	6,651
18	केरल	4,151	1,08,453	81,880	72,,964	26,588	15,520	4,128
19	लद्दाख	1,238	24,818	19,123	17,846	17,449	10,555	3,500
20	लक्षद्वीप	13	1,106	599	464	278	138	100
21	मध्य प्रदेश	5,795	1,55,367	1,18,412	1,11,608	1,06,320	57,095	37,027
22	महाराष्ट्र	22,254	14,25,143	9,11,388	8,85,469	8,43,594	4,46,368	3,18,950
23	मणिपुर	445	11,922	7,650	6,557	5,054	3,246	593
24	मेघालय	856	25,461	10,819	9,666	10,137	7,101	2,681
25	मिजोरम	357	15,656	8,957	7,956	7,652	4,397	1,031
26	नगालैंड	9	593	419	272	278	231	-

27	ओडिशा	16,728	5,39,796	3,58,290	3,40,287	2,84,168	1,57,917	91,994
28	पुदुचेरी	391	25,743	14,892	13,763	12,233	7,032	2401
29	पंजाब	4724	3,35,805	1,50,098	1,37,970	1,20,322	75,698	38,130
30	राजस्थान	753	59,989	29,407	27,827	22,554	10,225	4,848
31	सिक्किम	268	8,984	6,269	6,166	5,984	3,415	1,158
32	तमिलनाडु	27,715	13,02,120	12,15,658	10,81,669	7,70,082	4,20,192	2,70,967
33	तेलंगाना	4,299	1,95,120	1,23,595	1,04,187	53,520	34,093	20,865
34	त्रिपुरा	1,818	38,840	21,238	17,103	18,409	9,664	5,364
35	उत्तर प्रदेश	23,971	5,23,562	2,71,812	2,50,415	1,86,390	91,947	41,700
36	उत्तराखंड	4,420	1,06,306	90,061	85,417	80,179	48,794	23,798
37	पश्चिम बंगाल	16	3,372	1,658	1,623	1,507	919	160
कुल		**1,90,797**	**74,22,501**	**52,37,155**	**49,17,158**	**40,67,176**	**22,83,315**	**14,90,023**

डेटा स्त्रोत: एबी-एचडब्ल्यूसी पोर्टल, दिसंबर 2022 से जून 2023